वर्ष - 01 | अंक - 98 | प्रधान संपादक - कपिल विजयवर्गीय | बिजौलिया - बुधवार , 24 सितम्बर 2025 | मूल्य - 1 रुपया | मो.- 86967 95959 | पृष्ठ - 4

भीलवाड़ा फोकस

नवरात्र विशेषः बांध के बीच टापू पर बसा बोहरी माता का शक्तिपीठ

जरूरत पर मिलती थीं स्वर्ण मुद्राएं, इसलिए लक्ष्मी स्वरूप में होने लगी पूजा

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा

भीलवाड़ा-कोटा हाईवे पर स्थित कोठारी बांध के बीच टापू नुमा विशाल चट्टान पर विराजित बोहरी माता का धाम श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है। करीब 500 वर्ष प्राचीन इस स्थान पर देवी की स्थापना कालिका माता के रूप में हुई थी। बुजुर्ग ग्रामीण बताते हैं कि यहां जरूरत के समय माता से स्वर्ण मुद्राएं और नकदी राशि मिलने लगी थी। तभी से माता को लक्ष्मी स्वरूप मानकर पूजा जाने लगा और इसी कारण उन्हें बोहरी माता कहा जाने लगा। बोहरा शब्द का अर्थ ही रुपयों के लेन-देन से जुड़ा है।

मन्नत से उधार पाती तक की मान्यता

भक्त बताते हैं कि पहले जब धूप दिया जाता था तो सोने का खैरा और नकद राशि धूप पात्र के नीचे मिल जाती थी। आज भी गंभीर आर्थिक संकट में घिरा श्रद्धालु यहां आकर उधार राशि की पाती मांगता है। आस्था है कि माता से पाती लेकर किया गया निवेश लाभदायी होता है। यही कारण है कि हर रविवार और खासकर नवरात्रि में बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं।

हर समाज निभाता है सेवा

बोहरी माता मंदिर की एक खास परंपरा यह भी है कि नित्य पूजा किसी एक समाज तक सीमित नहीं रहती। पहले कोली समाज, फिर भाट और राजपूत समाज ने पूजा का दायित्व निभाया। वर्तमान में गुर्जर समाज की देखरेख में मंदिर की सेवा चल रही है। सांवरलाल गुर्जर चार पीढ़ियों से पुजारी परिवार की सेवा परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं।

पशु बलि प्रथा हुई समाप्त

एक समय यहां पशु बलि दी जाती थी, लेकिन पुजारियों के आग्रह पर बलि स्थल की खुदाई करवाई गई, जहां से शिवलिंग और नंदी प्रकट हुए। तब से बलि प्रथा समाप्त कर दी गई और शिवलिंग की स्थापना कर दी गई।

सुविधाओं से सजा धाम

मंदिर परिसर में अब श्रद्धालुओं के लिए दुमंजिला धर्मशाला और भोजनशाला भी निर्मित है। पहले यहां तक पहुंचने के लिए नावों का सहारा लेना पड़ता था, लेकिन वर्ष 2014 में आयोजित महायज्ञ की बची राशि और तत्कालीन विधायक धीरज गुर्जर की अनुशंसा पर पुलिया बनवाई गई। इससे भक्तों का यहां आना-जाना सरल हो गया।

कंटेंट - जसवंत पारीक, आकोला
ड्रोन साभार - प्रकाश पाराशर

शर्मनाक : सीता कुंड महादेव जंगल में मिला नवजात शिशु, पत्थरों के नीचे दबाकर छोड़ गई निर्दयी माँ

नवजात के मुंह में पत्थर, फेवीक्विक और टेप चिपका मिला

भीलवाड़ा फोकस @ बिजौलिया।

सीता कुंड महादेव के घने जंगल में मंगलवार को एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। एक अज्ञात महिला ने अपने 15-20 दिन के नवजात शिशु को पत्थरों के नीचे दबाकर छोड़ दिया। इतना ही नहीं, मासूम के मुंह में फेवीक्विक लगा दिया और पत्थर ठूंस दिए गए, ताकि उसकी चीखें किसी तक न पहुंचें। हालांकि, जंगल में बकरिया चराने गए एक चरवाहे को बच्चे की हल्की-हल्की कराह सुनाई दी । जिसने तुरंत मंदिर पुजारी और ग्रामीणों को इसकी सूचना दी । फिर सभी ने सावधानी से बच्चे को बाहर निकाला और तत्काल पुलिस व एम्बुलेंस को सूचना दी। घटना के बाद नवजात को तुरंत कस्बा स्थिति अस्पताल लाया गया। डॉ. मुकेश धाकड़ ने बताया कि नवजात के मुंह से मिट्टी निकालकर फेवीक्विक हटाई गई है , मुंह पर फेवी क्विक लगाने से चेहरे पर कट के निशान है और पत्थर की गर्मी के चलते बच्चे

की लेप्ट साइड जल गई है । फिलहाल नवजात की स्थिर हालत को देखते हुए जिला मुख्यालय स्थित पालना घर भेजा गया है। थाना पुलिस ने बताया कि मामला मांडलगढ़ थाना क्षेत्र का होने के कारण इसे मांडलगढ़ पुलिस को सौंप दिया गया है। वही ,मांडलगढ़ पुलिस ने बताया की मामले को लेकर ट्रेसिंग,

सीसीटीवी फुटेज एवं अस्पतालों में पिछले 20 दिनों में हुई सभी डिलीवरी का ब्यौरा जुटाया जा रहा है । बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष विनोद राव ने बताया कि बच्चे के साथ किए गए निर्दयी कृत्य के मद्देनजर पुलिस को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। फिलहाल घटना के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

बनास नदी चैनपुरा पुलिया हादसा : एक युवक का शव बरामद, दूसरे की तलाश जारी

भीलवाड़ा फोकस @ काछोला

बनास नदी की चैनपुरा पुलिया पर सोमवार दोपहर हुआ दर्दनाक हादसा पूरे इलाके में सनसनी फैलाने वाला रहा। तेज बहाव में बाइक सहित बह गए दो युवकों में से एक का शव घटना के 21 घंटे बाद मंगलवार दोपहर एसडीआरएफ और पुलिस टीम ने बरामद कर लिया, जबकि दूसरे युवक की तलाश जारी है।

जानकारी के अनुसार गड़बोदिया निवासी रामनिवास रेगर और गोपाल दरोगा नई बाइक लेकर पारोली से अपने गांव लौट रहे थे। इसी दौरान चैनपुरा पुलिया पार करते समय दोनों युवक तेज बहाव में बाइक सहित नदी में समा गए। घटना की जानकारी मिलते ही पारोली काछोला थाना पुलिस और एसडीआरएफ टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया।

लगातार 21 घंटे की मशक्कत के बाद मंगलवार दोपहर रामनिवास रेगर का शव नदी से बरामद कर लिया गया। वहीं, गोपाल दरोगा का अब तक कोई सुराग नहीं लग पाया है। पुलिस के अनुसार एसडीआरएफ और थाना पुलिस की टीम लगातार तलाशी अभियान चला रही है।

ग्रामीण भी मौके पर मौजूद रहकर पुलिस और बचाव दल को सहयोग दे रहे हैं।

मोटरसाइकिल चोर गिरफ्तार

भीलवाड़ा फोकस @ पारोली ।

थाना पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने चोरी की गई बाइक भी बरामद कर ली है।

थानाधिकारी प्रभातीलाल ने बताया की घेवरिया गांव में जनवरी माह में राजेश कुमार गुर्जर के घर के बाहर से बाइक चोरी हो गई थी । इस पर पुलिस में मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

इसी दौरान संदेह के आधार पर आरोपी जगदीश कुमार पुत्र लादू रेगर निवासी उंकारपुरा, थाना कोटड़ी को डिटेन कर पूछताछ की गई। पूछताछ में आरोपी ने चोरी की वारदात कबूल की। पुलिस ने

उसके कब्जे से चोरी की बाइक बरामद कर ली। पुलिस मामले की जाँच में जुटी हुई है ।

14 साल से फरार 10 हजार का ईनामी आरोपी गिरफ्तार

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा

सायबर सैल भीलवाड़ा और सवाईमाधोपुर की सयुंक्त टीम के प्रयासों से पुलिस ने 14 साल से फरार चल रहे 10 हजार रुपए के ईनामी वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया है । आरोपी 2011 में ट्रैक्टर और ट्रॉली की लूट की वारदात में शामिल था और तभी से फरार चल रहा था।

पुलिस ने बताया की 2011 में केसरीलाल निवासी सांगानेरी गेट, भीलवाड़ा का ट्रैक्टर-ट्रॉली बजरी से भरा हुआ खड़ा था। तभी 3-4 बदमाश आए और बजरी खाली करवाने के बहाने चालक को पांसल चौराहे की ओर ले गए। रास्ते में ट्रैक्टर-ट्रॉली लूटकर फरार हो गए। घटना को लेकर पीड़ित की रिपोर्ट पर प्रतापनगर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

जिसमे तीन आरोपी अजय, विजय और कैलाश को पहले ही गिरफ्तार कर लिया गया , जबकि फुलसिंह पुत्र श्योपाल सिंह मीणा, निवासी दिवाड़ा की झोपड़ियां, सवाईमाधोपुर लगातार फरार चल रहा था। आरोपी की गिरफ्तारी पर 10 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। पुलिस ट्रॉली बरामद कर चुकी है, जबकि ट्रैक्टर की बरामदगी शेष है।

पुलिस ने बीते 14 वर्षों में कई बार दबिश दी, लेकिन आरोपी अपनी शातिर प्रवृत्ति के चलते हर बार बच निकलता था। हाल ही में तैयार साइबर सेल की टीम के संयुक्त प्रयास से आरोपी को पकड़ने में सफलता मिली है ।

किसानों को शीघ्र मिलेगा मुआवज़ा जहाजपुर विधायक गोपीचंद मीणा की कृषि मंत्री से मुलाक़ात

भीलवाड़ा फोकस @ शक्करगढ़

भीलवाड़ा और राजस्थान के किसानों को अतिवृष्टि से हुई फसल क्षति और नुकसान की राहत दिलाने हेतु जहाजपुर विधायक गोपीचंद मीणा ने मंगलवार को पंत कृषि भवन, जयपुर में कृषि एवं आपदा राहत मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा से मुलाक़ात की। इस दौरान समिति के अन्य चार विधायकों के साथ मिलकर किसानों की समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

मुलाक़ात में विधायक गोपीचंद मीणा ने जहाजपुर क्षेत्र और भीलवाड़ा जिले में अतिवृष्टि से बर्बाद हुई फसलों का मुआवज़ा शीघ्र दिलवाने की मांग की। साथ ही सड़कों, पुलियों, बांधों और अन्य संरचनाओं की क्षति की मरम्मत तत्काल शुरू करवाने पर जोर दिया। उन्होंने आगामी रबी सीजन को देखते हुए किसानों को समय पर गुणवत्तापूर्ण खाद-बीज उपलब्ध कराने तथा प्रदेशभर में शुद्ध कृषि आदान सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर भी ध्यान दिलाया।

कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने आश्वस्त किया कि वर्ष 2024-25 के मुआवज़े का वितरण शीघ्र शुरू होगा और 2025-26 में अतिवृष्टि से हुए नुकसान का आकलन जारी है। उन्होंने कहा कि जहाजपुर विधानसभा सहित समस्त भीलवाड़ा जिले और राजस्थान के किसानों को न्यायोचित मुआवज़ा राशि दी जाएगी। इसके साथ ही अधोसंरचना की क्षति का भी सर्वे कर राहत कार्य करवाए जाएंगे। मंत्री ने स्पष्ट किया कि किसानों को खाद और बीज की गुणवत्ता पर कोई समझौता नहीं होगा तथा इसके लिए पूरे प्रदेश में गुण नियंत्रण अभियान चलाया जा रहा है। विधायक गोपीचंद मीणा ने कहा कि राजस्थान की डबल इंजन सरकार किसानों के हर संकट में उनके साथ खड़ी है और यह सुनिश्चित किया जाएगा कि कोई भी किसान राहत से वंचित न रहे।

भीलवाड़ा में बोले मुख्यमंत्री भजनलाल प्रदेश में भ्रष्टाचार खत्म, विकास और रोजगार को मिली नई रफ्तार

हमीरगढ़ में खुली एविएशन एकेडमी, राजस्थान बनेगा पायलट ट्रेनिंग का हब

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को भीलवाड़ा प्रवास के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों में शिरकत की। उन्होंने नगर निगम भीलवाड़ा और नगर पालिका हमीरगढ़ में आयोजित शहरी सेवा शिविरों का अवलोकन कर आमजन से संवाद किया तथा लाभार्थियों को चेक और पट्टे वितरित किए। इसके बाद उन्होंने हमीरगढ़ में ड्यूंस एविएशन एकेडमी का उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेशभर में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक आयोजित हो रहे ग्रामीण व शहरी सेवा शिविरों का उद्देश्य आमजन को एक ही छत के नीचे सभी सुविधाएं उपलब्ध कराना है। इन शिविरों के माध्यम से जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, आय एवं निवास प्रमाण पत्र, पेंशन, राशन कार्ड से लेकर सड़क मरम्मत और सफाई कार्य तक अनेक सेवाएं तत्काल मिल रही हैं। उन्होंने आमजन से अपील की कि वे इन शिविरों में शामिल होकर योजनाओं का लाभ लें और जरूरतमंदों को भी जोड़ने में मददगार बनें। उन्होंने कहा कि गत सरकार के समय भ्रष्टाचार और पेपर लीक जैसे प्रकरणों से युवाओं के सपनों पर कुठाराघात हुआ, लेकिन हमारी सरकार ने गरीब, किसान, मजदूर, महिला और युवाओं को राहत दी है। आज किसानों को सम्मान मिल रहा है, महिलाओं को सशक्त किया जा रहा है और युवाओं को रोजगार के अवसर मिल रहे हैं। 2 साल में एक भी पेपर लीक नहीं हुआ और निरंतर भर्ती परीक्षाएं आयोजित हो रही हैं। हमीरगढ़ में ड्यूंस एविएशन एकेडमी के उद्घाटन अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के संकल्प में राजस्थान अब एविएशन सेक्टर का हब बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। यहां पायलट ट्रेनिंग की विश्वस्तरीय सुविधाएं विकसित हो रही हैं, जिससे युवाओं को प्रशिक्षण के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा। शर्मा ने कहा , राजस्थान अब केवल पायलट नहीं बनाएगा, बल्कि दुनिया भर के युवाओं के लिए एविएशन की पाठशाला बनेगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य सरकार की नागरिक उड्डयन नीति-2024 से रोजगार और निवेश दोनों को बढ़ावा मिलेगा। कोटा का ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट मध्य भारत का गेटवे बनेगा। उदयपुर एयरपोर्ट विस्तार के लिए 145 एकड़ भूमि का अधिग्रहण हो रहा है और जयपुर एयरपोर्ट पर नए स्टेट टर्मिनल के लिए 12,778 वर्ग मीटर भूमि आवंटित की गई है। किशनगढ़ में फ्लाइंग ट्रेनिंग ऑर्गनाइजेशन भी शुरू हो चुका है।

उन्होंने कहा कि राजस्थान हर क्षेत्र में विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत - विकसित राजस्थान के संकल्प को साकार करने की दिशा में राज्य सरकार निरंतर कार्य कर रही है।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद

बैरवा, नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार गौतम कुमार दक, सांसद दामोदर अग्रवाल, विधायक गोपाल खंडेलवाल, लादूलाल पितलिया, उदयलाल भड़ाना, अशोक कोठारी, सुरेश धाकड़, वरिष्ठ जनप्रतिनिधि प्रशांत मेवाड़ा, जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू, पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह सहित कई जनप्रतिनिधि, अधिकारी और बड़ी संख्या में शहरवासी एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

कोठारी नदी किनारे महिला की हत्या का राज़ खुला

पुलिस ने प्रेमी को किया गिरफ्तार, नाते का दबाव बनाने पर हुई वारदात

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा

सदर थाना क्षेत्र के पुरावतों का आकोला गांव के पास कोठारी नदी किनारे झाड़ियों में सोमवार को मिली महिला की हत्या का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। महिला के सिर पर पत्थर मारकर हत्या करने वाला कोई और नहीं, बल्कि उसका प्रेमी ही निकला। नाते में आने के दबाव को महिला द्वारा ठुकराने पर आरोपी ने गुस्से में यह खौफनाक कदम उठा लिया। पुलिस ने वारदात के कुछ ही घंटों में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

सीआई कैलाशकुमार ने बताया कि सोमवार को पुलिस को आकोला गांव की सरहद में कोठारी नदी के पास झाड़ियों में खून से सनी लाश मिली। मृतका की पहचान बड़लियास थाना क्षेत्र निवासी रतनी 35 वर्ष के रूप में हुई।

मृतक रतनी का ससुराल चित्तौड़गढ़ जिले के गंगरार क्षेत्र में है और उसका पति गुजरात में मजदूरी करता है। पति के बाहर रहने के कारण वह कभी अपने पीहर बड़लियास तो कभी ससुराल और कभी गुजरात के चक्कर लगाती रहती थी। रिश्तेदारी के बहाने उसका परिचय आकोला निवासी रामेश्वर भील से हुआ और करीब पांच-छह साल में उनके बीच नजदीकियां बढ़ीं।

पुलिस जांच में सामने आया कि रामेश्वर ने पहले भी एक ब्याहता और दो नातायत पत्नियों को छोड़ दिया था। उसके शराबी और झगड़ालू स्वभाव के कारण रतनी उससे दूरी बनाने लगी। वह नाते में आने से साफ इनकार करती रही, लेकिन आरोपी दबाव बनाता रहा।

सोमवार को आरोपी रामेश्वर ने रतनी को फोन कर भीलवाड़ा बुलाया और फिर नाते का दबाव बनाया। रतनी ने अपने तीन बच्चों का हवाला देकर इनकार कर दिया। इसी पर भड़के आरोपी ने उसे सुनसान इलाके में ले जाकर पत्थर उठाकर सिर पर ताबड़तोड़ वार कर दिए और मौके से फरार हो गया। हत्या की खबर के पांच घंटे के भीतर ही पुलिस ने शक के आधार पर रामेश्वर को हिरासत में लिया। पूछताछ में उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया। फिलहाल आरोपी से गहन पूछताछ जारी है।

दो बाइकों की भिड़ंत में तीन युवकों की मौत, दो गंभीर घायल

भीलवाड़ा फोकस @ सवाईपुर

(सांवर वैष्णव)। नेशनल हाईवे-758 पर रूपाहेली चौराहे के पास सोमवार देर रात दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। हादसा इतना जबरदस्त था कि मौके पर ही तीन युवकों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को 108 एंबुलेंस की मदद से जिला चिकित्सालय पहुंचाया गया, जहां से उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत में उदयपुर रेफर कर दिया गया।सूचना पर सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और हादसे की जानकारी ली। थाना प्रभारी कैलाश बिश्नोई ने बताया कि मृतकों में चपरासी कॉलोनी, भीलवाड़ा निवासी सूरज (18) पुत्र रमेश प्रजापत, राहुल (28) पुत्र राजेश व्यास तथा ओझागर, कारोई निवासी भोलाराम (30) पुत्र गंगाराम सेन शामिल हैं। वहीं, घायलों की पहचान चपरासी कॉलोनी निवासी सूरज (18) पुत्र कैलाश बैरवा और कारोई निवासी सुखदेव (30) पुत्र नारायण गुर्जर के रूप में हुई है।

प्रथम दृष्टया सामने आया है कि एक बाइक सवार युवक जोगणिया माता के दर्शन करने जा रहा था, जबकि दूसरी बाइक सवाईपुर से भीलवाड़ा की ओर आ रही थी। रूपाहेली चौराहे के पास दोनों बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत इतनी जबरदस्त थी कि दोनों मोटरसाइकिलें पूरी तरह चकनाचूर हो गईं।

मंगलवार सुबह जिला चिकित्सालय में मृतकों के शवों का पोस्टमार्टम किया गया और परिजनों को सुपुर्द किया गया ।

नए एडीएम रामावतार कुमावत ने संभाला पदभार, पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ काम करने का संकल्प

भीलवाड़ा फोकस @ शाहपुरा

पेसवानी। शाहपुरा में नए अतिरिक्त जिला कलेक्टर एडीएम के रूप में रामावतार कुमावत ने मंगलवार को पदभार संभाल लिया। एडीएम कार्यालय पहुंचने पर तहसीलदार भींवराज एवं प्रशासनिक अधिकारी धमेंद्र ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया।

पदभार ग्रहण करने के बाद एडीएम कुमावत ने कहा कि उनकी पहली प्राथमिकता सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारना और आमजन तक उनका लाभ समय पर पहुँचाना होगा। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप आम जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। इसके लिए नियमित रूप से जनसुनवाई आयोजित की जाएगी, ताकि किसी भी प्रकार की शिकायत लंबित न रहे। कुमावत ने यह भी स्पष्ट किया कि पारदर्शिता और जवाबदेही उनके कार्य का आधार होगा। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा संचालित शिविरों में आमजन को वास्तविक लाभ मिले, इसके लिए हर स्तर पर पुख्ता प्रयास किए जाएंगे।

नए एडीएम की तैनाती से शाहपुरा क्षेत्र में लोगों में उम्मीद की नई किरण जगी है। स्थानीय नागरिकों का मानना है कि जिले के हटने के बाद प्रशासनिक तंत्र में जो कमी महसूस हो रही थी, वह अब दूर होगी। एडीएम कुमावत के कार्यभार संभालने से

विकास कार्यों को गति मिलेगी और जनसमस्याओं का निस्तारण पहले की अपेक्षा तेजी से संभव होगा।

QUICK BITES

किसानों को प्राकृतिक खेती का प्रशिक्षण, 125 किसानों ने सीखी जीवामृत-बीजामृत की विधि

भीलवाड़ा फोकस @ सावर

सामुदायिक भवन में मंगलवार को राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के तहत 125 चयनित किसानों के लिए विशेष प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य किसानों को रासायनिक खेती छोड़कर प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए प्रेरित करना था। वरिष्ठ कृषि पर्यवेक्षक बाबूलाल मीणा ने बताया कि कृषि अनुसंधान अधिकारी नरेंद्र सिंह ने किसानों को जीवामृत, बीजामृत, वर्मीवाश, निमास्त्र और बहुफसल प्रणाली के बारे में जानकारी दी। मौके पर ही जीवामृत तैयार करने की विधि प्रायोगिक रूप से दिखाई गई।

प्रशिक्षक भगत सिंह मीणा ने प्राकृतिक खेती के महत्व पर जोर दिया और सहायक कृषि अधिकारी नसीर बेग ने बताया कि योजना के तहत 0.4 हेक्टेयर क्षेत्र में प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों को 4 हजार रुपये का अनुदान दिया जाएगा। इस अवसर पर कृषि विभाग के कई अधिकारी और किसान मौजूद रहे।

बालाजी मंदिर में निकला 7 फीट लंबा अजगर, श्रद्धालुओं में मची अफरा-तफरी

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा

शहर के प्रसिद्ध टंकी के बालाजी मंदिर में मंगलवार को अचानक 7 फीट लंबा अजगर निकलने से श्रद्धालुओं में अफरा-तफरी मच गई। मंदिर परिसर में अजगर को देख लोग दहशत में आ गए, वहीं यह घटना आसपास के क्षेत्र में कौतूहल का विषय बन गई।

मंदिर पुजारी ने तुरंत इसकी सूचना सुभाष नगर थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और वन विभाग को अवगत कराया।

वन विभाग से छोटूलाल कोली और वन्यजीव रक्षक कुलदीप सिंह राणावत मौके पर पहुंचे। टीम ने अजगर को सुरक्षित रेस्क्यू कर वन क्षेत्र में छोड़ दिया। अजगर का यह बच्चा करीब 7 फीट लंबा था। अभियान में रमन शर्मा, राहुल कुमावत, दीपक शर्मा, कोच जगदीश जाट सहित अन्य का सहयोग रहा। वन विभाग की तत्परता और पुलिस के सहयोग से अजगर को सुरक्षित स्थान पर पुनर्वास हेतु छोड़ा गया।

भीलवाड़ा फोकस
भीलवाड़ा की बात फोकस के साथ

एक सशक्त पत्रकारिक मंच से जुड़ने का सुनहरा अवसर!

"भीलवाड़ा फोकस" को अपने नेटवर्क के विस्तार हेतु योग्य एवं उत्साही संवाददाताओं की जहाजपुर | गुलाबपुरा | आसिंद | मांडल | गंगापुर | माण्डलगढ़ । बदनौर सहित भीलवाड़ा जिला मुख्यालय पर अनुभवी क्राइम रिपोर्टर की आवश्यकता है ।

क्या आपके पास है –
- समाचारों को पकड़ने की तेज़ नजर ?
- निष्पक्षता, निडरता और पत्रकारिता के प्रति समर्पण ?
- डिजिटल रिपोर्टिंग या प्रिंट मीडिया का अनुभव ?

तो फिर देर किस बात की? अभी जुड़िए - "भीलवाड़ा फोकस" परिवार के साथ।

संपर्क करें: मो. 8696795959 ईमेल: bhilwarafocus@gmail.com
वेब: www.bhilwarafocus.com

हाइफा हीरो मेजर दलपत सिंह के 107वें बलिदान दिवस पर भव्य श्रद्धांजलि सभा एवं रक्तदान शिविर आयोजित

भीलवाड़ा फोकस @ बनेड़ा

भटेड़ा-बनेड़ा क्षेत्र के डाबला में मंगलवार को रावणा राजपूत समाज के तत्वाधान में हाइफा हीरो मेजर दलपत सिंह देवली के 107वें बलिदान दिवस पर श्रद्धांजलि सभा एवं रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। समुदायिक भवन में आयोजित इस कार्यक्रम का शुभारंभ समाजसेवी ललित सिंह भाटी ने मेजर सिंह को पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देने और रक्तदान शिविर के साथ किया। शिविर में लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और कुल 107 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। रक्त संग्रहण का कार्य भीलवाड़ा महात्मा गांधी ब्लड बैंक की टीम ने किया। शिविर के दौरान सभी रक्तदाताओं और भामाशाहों को मेजर दलपत सिंह की तस्वीर, मेमॉन्टो और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

सवाईपुर विद्यालय के 6 छात्रों का हॉकी में राज्य स्तर पर चयन

भीलवाड़ा फोकस @ सवाईपुर

(सांवर वैष्णव)। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सवाईपुर के पांच छात्र व एक छात्रा का हॉकी में राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयन हुआ। चयनित खिलाड़ियों का विद्यालय परिवार व ग्रामीणों ने माला पहनाकर स्वागत किया।

प्रधानाचार्या डॉ. प्रतिष्ठा ठाकुर ने बताया कि हाल ही में संपन्न 69वीं जिला स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता में

उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर खिलाड़ियों का चयन हुआ है। इनमें 14 वर्ष वर्ग से विराट हरिजन, 17 वर्ष वर्ग से आर्यन पुरोहित, अनिल सेन, सुनील जाट व हर्षिता साहू तथा 19 वर्ष वर्ग से कमलेश जाट शामिल हैं। खिलाड़ी आगामी प्रशिक्षण शिविरों में हिस्सा लेने के बाद राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में भीलवाड़ा जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। उल्लेखनीय है कि विद्यालय की टीम इस वर्ष 17 वर्ष वर्ग में जिला स्तरीय प्रतियोगिता की विजेता रही है ।

श्रावक सुरतन सागर होंगे नगर के पहले मुनि, विजयादशमी पर अहमदाबाद में दीक्षा

दीक्षा से मुक्त होंगे सांसारिक परिग्रह और समर्पित होंगे धर्म के पथ पर

भीलवाड़ा फोकस @ बिजौलियां।

नगर के जैन समाज में पहली बार ऐसा गौरवपूर्ण क्षण आने वाला है जब बिजौलियां के किसी श्रावक द्वारा मुनि दीक्षा ग्रहण की जाएगी। कस्बा निवासी रतनलाल सोनी, जिन्होंने पिछली विजयादशमी पर किशनगढ़ में आचार्य सुनील सागर से क्षुल्लक दीक्षा लेकर क्षुल्लक सुरतन सागर नाम अपनाया, इस वर्ष विजयादशमी के दिन अहमदाबाद में मुनि दीक्षा लेंगे। आचार्य सुनील सागर के मार्गदर्शन में चातुर्मास कर रहे क्षुल्लक सुरतन सागर को 2 अक्टूबर को गुजरात यूनिवर्सिटी कैंपस में मुनि दीक्षा प्रदान की जाएगी। इस अवसर पर एक दर्जन से अधिक श्रावकों को जैनेश्वरी दीक्षा भी दी जाएगी, जो इस समारोह को और भी भव्य बनाएगी। क्षुल्लक सुरतन सागर ने कहा कि दीक्षा की यह यात्रा उनके लिए लंबे समय से आकांक्षित थी। वे सांसारिक वस्तुओं और परिग्रहों से मुक्त होकर धर्म के पथ पर समर्पित जीवन जीने की इच्छा रखते हैं। उनकी भक्ति और अनुशासन को देखते हुए आचार्य सुनील सागर ने उन्हें मुनि दीक्षा की अनुमति दी। जैन समाज के वरिष्ठ प्रतिनिधियों ने बताया कि नगर के पहले श्रावक के रूप में यह कदम इतिहास में दर्ज होगा। दीक्षा समारोह में बिजौलियां सहित आसपास के क्षेत्रों के श्रद्धालु और श्रावक अहमदाबाद पहुंचकर इस ऐतिहासिक घटना का साक्षी बनेंगे ।

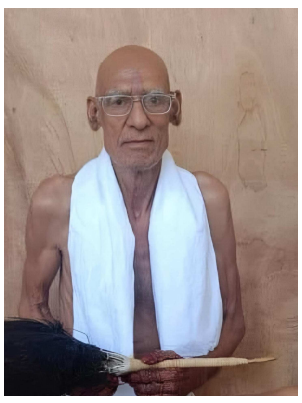

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिवस पर स्वच्छता और धार्मिक आयोजन

लाडपुरा से हनुमान बालाजी मंदिर तक विधायक खंडेलवाल ने की पदयात्रा

भीलवाड़ा फोकस @ लाडपुरा/मांडलगढ़

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिवस के अवसर पर मंगलवार को विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत लाडपुरा चौराहे से विधायक गोपाल खंडेलवाल के नेतृत्व में पदयात्रा से हुई, जो मेनाल स्थित हनुमान बालाजी मंदिर में संपन्न हुई।

मंदिर प्रांगण में गुप्तेश्वर महादेव के महंत बालकदास ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा-अर्चना कराई और क्षेत्र की सुख-समृद्धि, खुशहाली व जनकल्याण की कामना की। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेकर पावन वातावरण का अनुभव किया।

पूजा के बाद विधायक खंडेलवाल ने भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता अभियान चलाया। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता के महत्व पर भी जोर दिया, ताकि समुदाय में साफ-सफाई और प्राकृतिक सौंदर्य को बनाए रखा जा सके।

कार्यक्रम में भाजपा मांडलगढ़ ग्रामीण मंडल और बिजौलिया मंडल के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं बड़ी संख्या में मौजूद रहे । इस अवसर पर ओम प्रकाश जोशी, पूर्व मंडल अध्यक्ष अर्जुन ब्रह्मभट्ट, बिजौलिया मंडल अध्यक्ष राजेंद्र बंजारा, मनोज सनाढ्य, पार्षद नीलकमल पटवा, शक्ति केंद्र प्रभारी विनोद सनाढ्य, शक्ति केंद्र संयोजक मोहन सिंह शक्तावत सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विधायक गोपाल खंडेलवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर स्वच्छता और धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन कर हम समाज में सेवा, श्रद्धा और प्रकृति के संरक्षण का संदेश फैलाना चाहते हैं। उन्होंने लोगों से स्वच्छता और सामूहिक जागरूकता के लिए आगे आने की अपील की।

रायला में भव्य रामकथा का आयोजन, कलश यात्रा से हुआ शुभारंभ

भीलवाड़ा फोकस @ रायला

कस्बे में स्थित मंसापूर्ण बालाजी मंदिर परिसर में इन दिनों भव्य रामकथा का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन की शुरुआत कलश यात्रा से हुई, जो श्री शिव मंदिर बापूनगर से प्रारंभ होकर मंसापूर्ण बालाजी मंदिर तक पहुंची। इस कलश यात्रा में बड़ी संख्या में ग्रामवासी और रामभक्त शामिल हुए। रामकथा का वाचन कारोई निवासी प्रसिद्ध कथावाचक मनोहर राम

महाराज कर रहे हैं। मंदिर के पुजारी रतन दास महाराज ने बताया कि 51 कलश के साथ रामकथा का शुभारंभ हुआ है , इसका समापन 30 सितंबर को होगा।

रामकथा के व्यवस्थापक कन्हैया लाल चौहान ने बताया कि समापन अवसर पर भव्य प्रसादी का भी आयोजन होगा।

कार्यक्रम में राजेंद्र व्यास, रामजस राठी, जुगल किशोर पंवार, बाबूलाल मेवाड़ा, पवन चौहान, चेतन पंवार, पंकज चौहान, जय सिंह चौहान सहित अन्य श्रद्धालु शामिल हुए।

प्रतापनगर रेलवे ट्रैक पर युवक की मौत का मामला कलेक्ट्रेट पर हुआ हंगामा

पुलिस ने किया हल्का लाठीचार्ज, दो कांस्टेबल निलंबित पत्नी की गिरफ्तारी के आदेश

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा।

प्रतापनगर थाना क्षेत्र में रेलवे ट्रैक पर मृत मिले युवक सांवरलाल सुखवाल की मौत को लेकर मंगलवार को मामला तूल पकड़ गया। न्याय की मांग को लेकर कलेक्ट्रेट पहुंचे ब्राह्मण समाज के लोगों ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के आने से ठीक पहले रास्ता जाम कर दिया। पुलिस की समझाइश और न मानने पर हालात बिगड़ गए । जिसके बाद पुलिस ने हल्का लाठीचार्ज कर भीड़ को तितर-बितर किया।

गौरतलब है की गत 15 सितंबर की रात पालड़ी निवासी व प्रतापनगर के गायत्रीनगर में रहने वाले सांवरलाल (37) पुत्र जगदीश सुखवाल का शव शहर में बायस्कोप के सामने रेलवे ट्रैक के नजदीक मिला था। परिजनों और समाजजनों ने उसकी मौत के लिए पत्नी डिंपल, सास और दो पुलिसकर्मियों को जिम्मेदार ठहराते हुए उनकी गिरफ्तारी की मांग की।

इसके बाद मंगलवार सुबह बड़ी संख्या में ब्राह्मण समाज के लोग कलेक्ट्रेट पहुंचे। पुलिस ने उन्हें धरना देने से रोका तो उन्होंने सड़क जाम कर दी। मुख्यमंत्री के दौरे के कारण प्रशासन में हड़कंप मच गया। मौके पर एसपी धर्मेंद्र सिंह यादव, एएसपी पारस जैन सहित अन्य अधिकारी पहुंचे और आक्रोशित लोगों को शांत करने की कोशिश की लेकिन कुछ लोगों द्वारा विरोध तेज करते हुए प्रदर्शन किया जाने लगा ।

जिसपर पुलिस ने हल्का लाठीचार्ज चार्ज किया। ।

हंगामे के बीच एसपी ने आरोपी कांस्टेबल अविनाश और रमेश को तत्काल निलंबित करने के आदेश दिए। साथ ही मृतक की पत्नी की गिरफ्तारी के निर्देश भी जारी किए है ।

बेटी जन्मोत्सव में मनाई खुशियाँ, बेबी केयर किट भेंट

भीलवाड़ा फोकस @ बिजौलिया

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर मंगलवार को महिला अधिकारिता विभाग की ओर से बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजनांतर्गत बेटी जन्मोत्सव का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बेटियों के जन्म को सम्मान देना और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए समाज को प्रेरित करना रहा।

इस मौके पर बीसीएमओ डॉ. गोपाल यादव, चिकित्सा प्रभारी डॉ. अंसार तथा महिला अधिकारिता विभाग की ब्लॉक सुपरवाइजर अर्चना राव उपस्थित रहीं। रामपुरिया निवासी रानी पत्नी शंभूनाथ की पहली संतान शिवानी का जन्मोत्सव केक काटकर मनाया गया। विभाग की ओर से बच्ची के परिवार को बेबी केयर किट भेंट की गई और पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित किया गया।

ब्लॉक सुपरवाइजर अर्चना राव ने उपस्थित लोगों को विभागीय योजनाओं लाडो प्रोत्साहन योजना, माहवारी स्वच्छता, डिजिटल साक्षरता, शिक्षा सेतु योजना एवं

मुख्यमंत्री नारी शक्ति उद्यम प्रोत्साहन योजना की जानकारी दी।

मेजर दलपत सिंह की 107वीं पुण्यतिथि बलिदान दिवस के रूप में मनाई

भीलवाड़ा फोकस @ बिजौलिया।

मानव तिवाड़ी । रावणा राजपूत समाज द्वारा हाइफा हीरो शहीद मेजर दलपत सिंह शेखावत की 107वीं पुण्यतिथि बलिदान दिवस के रूप में मनाई। कार्यक्रम में समाज के सभी लोगों ने मेजर सिंह की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता संजय सिंह चौहान, महामंत्री धर्म सिंह पंवार और शंभू सिंह शक्तावत ने की। इस अवसर पर मेजर सिंह की जीवन गाथा और उनके बहादुरी भरे कार्यों पर विस्तृत जानकारी दी गई। इसके बाद समाज जनों ने नोहरे से जुलूस निकालकर शहर के मुख्य मार्गों से होकर जय श्री रावणा के नारे लगाते हुए हॉस्पिटल तक वाहन रैली का आयोजन किया।

हॉस्पिटल में मरीजों को फल और बिस्किट वितरित किए गए।

नाथद्वारा सराय झूलेलाल मंदिर में धूमधाम से मनाया गया असु चंद्र महोत्सव

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा

पेसवानी । शहर के प्राचीन नाथद्वारा सराय झूलेलाल मंदिर में महंत टेऊंराम भगत के सानिध्य में सिंधी समाज के आराध्य देव भगवान झूलेलाल का अर्धवार्षिक उत्सव असु चंद्र महोत्सव उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया गया।

महोत्सव की शुरुआत भगवान झूलेलाल की प्रतिमा के अभिषेक व श्रृंगार से हुई। इसके बाद भजन-संगत, कीर्तन, पंजड़े, पुष्पवर्षा और छेज नृत्य के साथ मंदिर परिसर उमंग और भक्ति से गूंज उठा।

भक्तों ने पूजा-अर्चना, महाआरती व पल्लव-अरदास कर समाज की खुशहाली की कामना की। प्रसादी के रूप में घर से लाए भोग का वितरण हुआ।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु और समाजजन उपस्थित रहे। मीडिया प्रभारी मूलचंद बहरवानी ने बताया कि यह उत्सव न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है बल्कि सिंधी समाज की

सांस्कृतिक धरोहर और सामाजिक एकजुटता का दर्पण भी है।

पुर में दरार प्रभावितों के मुआवजे और लक्ष्मी नारायण मंदिर के निर्माण की मांग

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा

उपनगर पुर में दरारों से प्रभावित परिवारों और धार्मिक स्थलों को लेकर लंबे समय से चली आ रही मांगें एक बार फिर जोर पकड़ने लगी हैं। मंगलवार को पुर संघर्ष सेवा समिति और भाजपा कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर मुआवजा वितरण और मंदिर पुनर्निर्माण की मांग की। समिति अध्यक्ष छोटूलाल अटारिया ने बताया कि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के आदेश पर नगर विकास न्यास द्वारा नुकसान का सर्वे कर करीब 4500 भूखंड सृजित किए गए थे। इनमें से 718 पीड़ितों को भूखंड आवंटित किए गए, लेकिन 59 प्रभावित अब भी मुआवजे से वंचित हैं। सरकार बदलने के बाद शेष लोगों के भूखंड आवंटन की प्रक्रिया ठंडे बस्ते में डाल दी गई।

उन्होंने चेतावनी दी कि अगर शीघ्र ही अगले चरण की लॉटरी निकालकर आवंटन नहीं किया गया तो आंदोलन तेज किया जाएगा। समिति ने दरार प्रभावित क्षेत्र के आस्था केंद्र लक्ष्मी नारायण बड़ा मंदिर के पुनर्निर्माण की भी मांग रखी। इधर, भाजपा ओबीसी मोर्चा जिला मंत्री रतनलाल आचार्य ने अलग से प्रार्थना पत्र देकर वाल्मीकि कॉलोनी में सीसी रोड और नालियों का निर्माण कराने की मांग उठाई। उनका आरोप है कि जिम्मेदार अधिकारी सरकार को

बदनाम करने के लिए आमजन के कार्यों में लापरवाही बरत रहे हैं।

QUICK BITES

बिजौलिया क्षेत्र के चिकित्सक व कार्मिक आयुर्वेद दिवस पर सम्मानित

भीलवाड़ा फोकस @ बिजौलिया

नरेश धाकड़। राजकीय एकीकृत आयुष चिकित्सालय में मंगलवार को दसवां आयुर्वेद दिवस सम्मान समारोह आयोजित हुआ। समारोह में जिलेभर से आयुर्वेद चिकित्सा क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कार्मिकों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बिजौलिया ब्लॉक से डॉ. संजय कुमार नागर, आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी राजकीय आयुर्वेद औषधालय आँट, बंसीलाल कटारा, कंपाउंडर राजकीय आयुर्वेद औषधालय तिलस्वा तथा सूर्यभान प्रजापत, परिचारक छोटी बिजौलिया को विशेष योगदान के लिए उपनिदेशक आयुर्वेद विभाग, भीलवाड़ा डॉ. महाराज सिंह ने प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। समारोह में जिले के विभिन्न आयुर्वेद चिकित्सक, चिकित्सा कर्मी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

हर्ष कंवर पंचतत्व में विलीन, हजारों लोगों ने नम आंखों से दी अंतिम विदाई

भीलवाड़ा फोकस @ बरुन्दनी ।

पूर्व विधायक प्रदीप कुमार सिंह की धर्मपत्नी हर्ष कंवर का सोमवार देर रात हृदयाघात से निधन हो गया। उन्हें भीलवाड़ा के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन चिकित्सकों के बचाने का प्रयास असफल रहा। निधन की सूचना मिलते ही क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। मंगलवार को सिंगोली स्थित श्मशान घाट पर गमगीन माहौल में उनका अंतिम संस्कार किया गया। ज्येष्ठ पुत्रों ने उन्हें मुखाग्नि दी। इस दौरान हजारों लोग उपस्थित रहे।अंतिम यात्रा में क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, सामाजिक संगठन पदाधिकारी व गणमान्य नागरिक शामिल हुए। श्रद्धालुओं ने हर्ष कंवर को सरल, सौम्य और मिलनसार महिला बताते हुए उनकी कमी को अपूरणीय बताया। परिवार ने बताया कि आगामी दिनों में सिंगोली में शोकसभा का आयोजन किया जाएगा।

आजाद चौक में रामलीला का शुभारंभ

नारद की तपस्या में कामदेव पराजित, दर्शक हुए भावविभोर

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा

शहर के आजाद चौक में धार्मिक उत्साह और भक्ति भाव के बीच रामलीला मंचन का शुभारंभ हुआ। नवरात्रि के अवसर पर शुरू हुए इस आयोजन में पहले ही दिन रामायण की झलकियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

गणपति आरती के साथ प्रारंभ हुए कार्यक्रम में संत समाज के प्रमुख मेहमान संकटमोचन हनुमान मंदिर के महंत बाबू गिरी, जमुनादास लालबाबा, पुजारी मुरारी पांडे, कैलाश हाथीवाले महाराज, चंद्रा रांका और मंजू बाफना सहित अन्य अतिथियों का समिति अध्यक्षा मंजू पोखरना एवं वरिष्ठ कलाकारों ने रामनाम का दुपट्टा और श्रीफल भेंट कर स्वागत किया। पहली रात के मंचन में नारद तपस्या, कामदेव द्वारा तपस्या भंग का प्रयास, रावण तपस्या, कुबेर से लंका पर अधिकार, साधु-संतों पर अत्याचार और पृथ्वी की करुण पुकार जैसे दृश्यों का जीवंत मंचन किया गया। इन झांकियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। कलाकारों ने गणेश , नारद, विष्णु, शंकर, वाल्मीकि, देवी लक्ष्मी और विश्वमोहिनी के रूप धारण किए।

स्वत्वाधिकारी एवं प्रकाशक कपिल विजयवर्गीय के लिए मुद्रक वेदान्त प्रभाकर मेधा कप्यूटर्स एण्ड ऑफसेट प्रिन्टर्स नंदभवन, बड़े पार्क के पास, कांवाखेड़ा भीलवाड़ा (राज.)से मुद्रित व मकान न. - 1 ए - धानमंडी योजना, कोर्ट केसामने बिजौलिया , भीलवाड़ा (राज.) से प्रकाशित। संपादक - श्याम सुन्दर विजयवर्गीय । मो. 8696795959, RNI No. : RJHIN/25/A0890 किसी भी प्रकार के वाद विवाद का न्याय क्षेत्र बिजौलिया जिला - भीलवाड़ा ही रहेगा।